भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.12.2024 के

तारांकित प्रश्न सं. 331 का उत्तर

ब्रह्मपुत्र नदी पर गुवाहाटी और अमिनगांव के बीच रेलवे पुल

***331. श्री फणी भूषण चौधरी:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पुराने स्टेशनों के पुनरुद्धार के लिए कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने ब्रह्मपुत्र नदी पर गुवाहाटी और अमिनगांव के बीच नए रेलवे पुल की आधारशिला रखने के लिए कोई निर्णय लिया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 18.12.2024 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 331 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 50 स्टेशन असम राज्य में स्थित हैं। असम राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
असम	50	अमगुरी, अरुणाचल, चापरमुख, धेमाजी, धुबरी, डिब्रूगढ़, दीफू, दुलियाजान, फकीराग्राम जं., गौरीपुर, गोहपुर, गोलाघाट, गोसाईगांव हाल्ट, गुवाहाटी, हैबरगांव, हरमुती, होजई, जागीरोड, जोरहाट टाउन, कामाख्या, कोकराझार, लंका, लीडो, लमडिंग, मजबत, मकुम जंक्शन, मार्गेरिटा, मरियानी, मुरकोंगसेलेक, नाहरकटिया, नलबाड़ी, नामरूप, नारंगी, न्यू बोंगाईगांव, न्यू हाफलोंग, न्यू करीमगंज, न्यू तिनसुकिया, नॉर्थ लखीमपुर, पाठशाला, रंगापाड़ा नॉर्थ, रंगिया जंक्शन, सरुपथार, शिवसागर टाउन, सिलापथार, सिलचर, शिमलगुड़ी, टांगला, तिनसुकिया, उदालगुड़ी, बिश्वनाथ चारआली

असम राज्य में स्थित 48 अमृत स्टेशनों के लिए विकास कार्यों की निविदाएं प्रदान कर दी गयी हैं और कार्य आरंभ कर दिए गए हैं। इन परियोजनाओं में निष्पादन की तीव्र गति देखी गई है। उदाहरण के लिए,

- हैबरगांव स्टेशन पर, नई सर्विस बिल्डिंग, पार्किंग और प्रवेश-निकास द्वार के संरचनात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं तथा मौजूदा स्टेशन भवन के सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र, पहुंच मार्ग, पे एंड यूज़ शौचालय, पोर्च का निर्माण आदि कार्य शुरू किए गए हैं।

- गौरीपुर स्टेशन पर, स्टेशन भवन और प्रतीक्षालय के संरचनात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं तथा परिचलन क्षेत्र, ऊपरी पैदल पुल आदि के सुधार कार्य शुरू किए गए हैं।

- **होजाई स्टेशन पर, मौजूदा स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, पार्किंग क्षेत्र, पहुंच मार्ग के सुधार, नई सर्विस बिल्डिंग, पे एंड यूज़ शौचालय, पोर्च, प्रवेश-निकास द्वार, चारदीवारी आदि के निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **लंका स्टेशन पर, नई सर्विस बिल्डिंग के निर्माण, पे एंड यूज़ शौचालय, प्रवेश द्वार पर पोर्च, प्रवेश-निकास द्वार, ऊपरी पैदल पुल, चारदीवारी का निर्माण, मौजूदा स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, पार्किंग क्षेत्र, पहुंच मार्ग आदि का सुधार कार्य शुरू किया गया है।**

- **फकीराग्राम स्टेशन पर, नए स्टेशन भवन और पहुंच मार्ग का संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और नए ऊपरी पैदल पुल के निर्माण, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र के सुधार आदि संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं।**

रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ व उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

इसके अलावा, स्टेशनों का विकास/उन्नयन और यात्रियों के लिए सुविधाएं प्रदान करना निरंतर चलने वाली सतत् प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। कार्यों को स्वीकृत और निष्पादित करते समय सुविधाओं की व्यवस्था/उन्नयन के लिए निचली कोटि के स्टेशन की तुलना में उच्चतर कोटि के स्टेशन को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों का विकास/उन्नयन सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। असम राज्य को पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा कवर किया जाता है। इस जोन के लिए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 530 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है।

<u>सरायघाट पर नया रेल-सह-सड़क पुल</u>

"19.02.2024 को सरायघाट पर नए रेल-सह-सड़क पुल (7.062 किलोमीटर) के निर्माण के साथ अगथोरी-कामाख्या खंड के दोहरीकरण" का कार्य 1473.77 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत किया गया है। पुल के विस्तृत डिज़ाइन और ड्राइंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।

*****